BIRLA CENTRAL LIBRARY PILANI.

37092

राजस्थान रा ओखाणा

(श्रीबद्रीप्रसादजी साकारिया तथा श्रीअगरचंदजी नाहटा के संकलन से नकल किये गये)

अप्रैल १९५२

091-954
R192RK
37092
C/66

" मारवाड़ रा ओखाणा "

(अ)

(१) अठै री हेमाणी गाडी है।
(२) अल्ला री मा रो चालीसो है।
(३) अण हूँणी हुवै नहीं, हूँणी हो सो होय।
(४) अडीयाँ जागो पड़ै ज्ञाता गिणो न सूम।
(५) अठै कोई मक्खिया खांण नै पधारया हो।
(६) अठै कठीं घरनै भूल गया हो।
(७) आसमानी फटै हुय गई।
(८) अठै कोई लोवा लेवणं नै पधारिया हो।
(९) अठै किंयो कुलि रा जोड़ देखियो।
(१०) अरोगो बाढियो।
(११) अणहूत मारे सूँ ही कमी
(१२) अकल रो अजीरण हुय गयो है।
(१३) अनखरो नहीं लैणूं।
(१४) अरे तो पी अन्तँ हूट है।
(१५) अठै कठीं तवा मानणा नै है।
(१६) आसमानी जूत है।

(१७) अक्ल सूँ खुदा पिछाणो।

(१८) (आ)

(१९) आशा जठै माशा

(२०) आलो चवड़ै।

(२१) आप गुरमार बैंगण खावै नै दूजाँ ने परमोद बतावै।

(२२) आछी पड़रमई।

(२३) आई तो मिलवा नै, बैठगई दळवा नै।

(२४) आप मरंता बाप किंण नै याद आवै।

(२५) आगलो पीसियो खूट गयो नहीं।

(२६) आप मीयां मांगण नै, बाहर खड़्या, दिनेश।

(२७) आखड़िया जैड़र पड़िया नहीं। घी ढुळियो तो मूंगां मांय।

(२८) आपरो टापरो नै, परायो धन रो पार नहीं।

(२९) आज सूँ हीं काल

(३०) आडी बातों मति घालो।

(३१) आपरा बिगाड़ियो नै परायो सुधारियो बराबर व्है है।

(३२) आपरो सो अपरो नै परायो सो परायो।

(३३) आप मरियाँ पछै जुग प्रलै।

(३४) आगै खाड़ नै लारै कूवो।

(३५) आप रै नरक मांयै मावी कुण बैठण दे।
(३६) आठूं गाँठां सफेत है।
(३७) आगला घर सूँ खोटी क्यूँ हुवो हो।
(३८) अर दे म्हार सम्पट पाट हूँ तनैं चाटूँ तूँ मनैं चाट।
(३९) आपरी लुलताई पेलै नै खाय।
(४०) आवड़ियो घड़ायल्पो।
(४१) आकाश मुमारियै तिडँ निजा आवै है।
(४२) आपरी समज सूँ हीज बोहेपर मरै है।
(४३) आपरी गरज गधै नै बाप।
(४४) आगौर सूँ हीं घरो हो।
(४५) आप आप रो सीर से शक्कर है।
(४६) आगलै मौरो बदलो नहीं छूटै।
(४७) आप री गऊ है।
(४८) आगा पधारो कूँ कूँ रा पगालिया।
(४९) आव नहीं आदर नहीं, नहीं नैणां में नेह।
उण घर कबू न जाइयै, कंचन बरसो मेह।।
(५०) आव घणौं आदर घणौं, घणौं नैणां में नेह।
उण घर नित उठ जाइये, पथर बरसो मेह।।

(५१) आप रो घर नै डूँगर नै भर।
(५२) आप आपरी रोटी हेटै खीरा दे है।
(५३) आपरी सांथल उघाड़ियाँ आप ही लाजै।
(५४) आसोजाँ रा पड्या तावड़ा जोगी होग्या जाट।
(५५) आई जिऊँ गई
(५६) आटे री कटारी खाय नै मरग्यो।
(५७) आई मऊ आग्यो राम, गई मऊ गयो राम।
(५८) आंधी घोड साथरी नै दौड़ै है।
(५९) आप रै मूँडै री माखी तो आप सूँ ही उडैला।
(६०) आबै में बीजली चिमकै नै गधेड़ी लात बावै।
(६१) आप सूँ — है जिसो कर लीजो।
(६२) आवो मियाँ खाँणाँ खावो, हूँ बिस मिल्ला हाथ धुवावो।
(६३) आवो मियाँ घास कुतरवो, हम बूढ़े भई जुवान बुलावो।
(६४) आबै सूँ पड़ियो नै जमी झेलियो।
(६५) आगो तो थारो है नै पाछो मारो है।
(६६) आवंता रा भर्र नै जावन्ता रा जँवाई।
(६७) आगो जियाँ पाछो पड़ै है।
(६८) आदै माह नै काँधे बामल।

(६९) आपरा पाडा न बडा सुवाडा।
(७०) आव बलद मने मार।
(७१) आवो मना अडार।
(७२) आपरी डाडी ई ल्हसरको पैली दे है।
(७३) आदे में लरी ने आदे में पूंछ।
(७४) आगे तो बाबाजी पूरा घणा ने फेर लगायली भभूत।
(७५) आला सूखा भेला ही बले है।
(७६) इण सूँ आगे तो पीली भींत है।
(७७) इजागर बूजे बिजागर खबर करत है, मित्र।
पडया रहत हवे खेत में, हरी करत है चित्र।।
(७८) इण हाथ दे ने उण हाथ ले।
(७९) इंण में कठी मीन मेख है।
(८०) इयुं करतां ही जावो परा जिके
(८१) इन्दर री मा ही तिसाई रह गई।
(८२) इण हाथ घोडो ने उण हाथ गधो।
(८३) इणरा कितरा टका बटे।
(८४) इण में की घणो डोखियो है।
(८५) उठो भी घोडा रा परदरव।

(८६) उली पेसियाँ पाणी निकलतो।
(८७) इण कान सुणी नै उण कान कढी।
(८८) इनि मीन न साढी तीन।
(८९) उठे किया प्रसंग बंतो हो।
(९०) उमरड़ी धन भरतां कती देर लागै
(९१) उणाँ पगाँ री चाकरी है।
(९२) उतावळी दो बार फिरिहो।
(९३) उठे कंई नानाणु है।
(९४) उवाँ गियोड़ी तो मागी दी ही र उवाँ आयोड़ी मोल ली ही
(९५) उणाँ रो तो राम हीज नीकळ गयो।
(९६) उमड़ी मार्यै सूतो नै सेजाँ रा सपना देखै।
(९७) उडि नै भररर।
(९८) उलटी गंगा बवै है।
(९९) उतर भीखा म्हारी बारी।
(१००) उघल पाती आपरी है।
(१०१) उपाय गीहूँ नै खाय चिणाँ।
(१०२) उपासरे में मागी शर्या जोवै।
(१०३) उन्नरियो गाँत डूमाँ ने दीजे।

(१०४) ऊगो न पूगो।
(१०५) ऊबो मूतै सूतो खाय, तिण रो दालद केदेन जाय।
(१०६) ऊठ बोरं अरोखौ हैर राम मौत है।
(१०७) ऊखल में माथो दियो तो धड़ेर सूँ कई डर।
(१०८) उगतो टी कोनी तपियो तो आथमतो कई तपसी।
(१०९) ऊठ मीयाँ मादड़ी मार।
(११०) ऊगा हूर नै भागा मूर।
(१११) उगते धान री परमल ही दीखै।
(११२) ऊगै सो आथमैला।
(११३) ऊदली नै रायजो रे हे

"ए"

(११४) एकलो तु करो दाँतण
(११५) एक दिन री पावणूँ दूजै दिन पई, तीजे दिन रहेन अरल माई
(११६) एक दान्त रोटी तूटै।
(११७) ए मा मा की है, माकी ऊगायले बेटर ऊजाय के रोयहै रोय
(११८) एडा विया सैं देवजी ला।
(११९) एक म्यान में दो तरवार नहीं खटे।
(१२०) एडी हुई सो कभा हो खीर दोनों खाई
ऊभी आई है तो आडी ही आ ही।

(१२१) एक मेह एक मेह करता बडेरा ही मरगया।
(१२२) एक सूँ स्क ही जावे व्है है।
(१२३) एस ही राट मुँडाई एस ही गिड़ा पड़िया।
(१२४) एडी री जगाँ अगूँठो नहीं लावसी।
(१२५) एवज भाई संग्राम रहिं।
(१२६) एक घर तो डाकण ही टाले है।
(१२७) एक नन्नूँ सौ दुख टड़े।
(१२८) एक लकड़ी टूट गई तो कांई व्हे है।
(१२९) एकरर गुर दोय नें दोयरर गुर च्यार।
(१३०) एती ही मिरचाँर है।
(१३१) एत बैठो ओंत मारे है।
(१३२) एक रती बिन पाव रती।
(१३३) एक आँख आँख में नहीं नें एक छत छत में नहीं।
(१३४) एक पहिये रथ नहीं चाले।
(१३५) ए बातों भाटै सूँ मांगो।
(१३६) एड़ी तो मैं वदे न दीधी जे दीदी तो चोरॉलीडी।
(१३७) नहीं मरती तो रहतो नशो, एक दुख ने दूजो हँसो।
(१३८) ए दोन्यू कठे पाइये सोनूँ और सुगन्ध।

१३८ एड़ी री चोटी जाय है।
ए ही पांचमौं हसवारों में है।
ए ही मैदान है नै ए ही घोड़ा है।

"ओ" ओसाँ रा मोती

ओछी पूंजी धणी नै खाय
ओछे री प्रीत नै बेळू री भींत।
ओसो पारती है।
ओछियां रा पोठिया कठै भावो बोहो।
ओ अजमेरो खोज क्यूं गमावो।

"औ" "अं"

औसर चूकी डूमणी नै गावै ताल बेताल।
अन्त खुदा बैर है।
आन्दो तो भींत गयाँ ही पतीजै।
आँख मींच नै अन्दारो कियो है।
आन्दै रै पग हेटै बटेर दब गई।
आन्दै नै न्यूँत नै दोय जिमावणाँ।
आन्दो पीसै कुत्ता खाय
आँखियाँ गुद्दी लारै आय गई
उठी जड़ाँ ई ऊठो।

ऊँघती नैं बिछावणो लादो।
ऊँटाँ नैं गलकारी सूँ कोई वैर है।
ऊँट चढ़ी नैं कुत्तो खाई।
ऊँट (लम्बी होना चाहिये) चढ़ियो और मांगो।
ऊँट लादण सूँ ही गयो पादण सूँ ही गयो।
राट बाड़ी बात नहीं केणी।
ऊँट गम जाय तो कामलो खोस लीजो।
ऊँट रो पाद जमीं रो न आसमान रो।
ऊँची दुकान नैं फीका पकवान।
ऊँचो गढ गिरनार नीचो आबू ही नहीं।
ऊद कमी रो है।
ऊँदे बिलियाँ फिली करी गई ही।
ऊँ मूँडो धोवो हो।
ऊँदी वणू सूती है।
ऑंदी खावणो सूँ डाम पड़ नैं देवणूँ सूँ डाम।
अन जल है जितै चुगा हो।
आँख में घालियो ही को खटकै नी।
आँव बलै पीतम घर आव।

आँख में पड़ो तुस, ओटी लादो मिस।
ऊँदा फेरा लिए वे है।
आँखियाँ तो फूटी हियेरी ही फूट गई।
ऊँदे मती ने एतो सूझे।
ऊँट तो अरड़ावतो ही लदै है।
आन्दे नै तो दो आँखियाँ ही चावणी।
आँख रा आन्दा नै गांठ रा पूरा।
आन्दै नै आरसी दिखावै है।
औठे ताफ कुओ ही कोनी मारयो।
आँ री बाँदी ही गँवाँ री रोटी है।
आँखियाँ रो आन्दो नै नाँव नैणांसु।
ऊँट नै फाड़ेरा
आंगलियाँ बैठा गिणावै है।
ऊँट री खोड़ ऊँट नै पावै।
ऊँचाय कुआ शिखर नहीं करे।
आन्दी री चूँन्दी हो गई।
आँगली पकड़ नै पुणचो पकड़ लो।
आडी लीक पड़गी।

आँखिया में धूड़ नाखदीनी।
आँगलियाँ ऊपर रमावै है।
(क) करमा की बाजै है।
करम हीण को नहीं मिलै भली वस्त रो भोग।
पके दाख बैसाख में (भयो) होत काग गलरोग॥
कर्म फूटा नै कोरी नहीं लागै।
१८३ कपूत बेटो
करम फूट नै चोंडाल हुय गया है।
करोगा बंदगी तो पावोगा चन्दगी।
करोला सेवा तो पावोला मेवा।
करदै पुली मालपुवा, बौरा लै ही हुआर हुआर।
करणी आपणी आपरी कुँण बेटा कुँण बाप।
मलिया चोर खावै हुय ने माडणो।
कहत हूँ धीयड़ली ने सुणै है मडडली।
कल सूँ कल दबै है।
कड़ा हेलिया मरगरीठा पड़ै है।
करमा री भागे है।
करम ने धावली तो साथे री साथे है।

करम उदै होय गया।
खाटै तो खूँन नहीं।
खातियो पीसियो कपास हुय गया।
खालो अखवर मैंन बराबर है।
खाजी जी री मारी तलाल हुवै है।
खाल जो भूँसो लारै मूँ खाउ लै ही।
खाले री भाये गई।
खात की जो गनी, पना में पाद।
खारिये रो खांवणूं पण अगारिये रो नहीं खांवणूं।
खाग मोती रै नहीं, नै चीड़ी रोती रहे नहीं।
खाती सब साथी।
खार बन्दी रही, वाड़बन्दी शनी रही।
खांखरिया री केवला हुवै तो स्यालिया ही क्यूं छोड़ै।
(ख) किसतूरचन्द फिरग जगीरजी मिलै।
खिली तेलण नै खिनों पलो।
खितरे छान चवै नै खितरे छपरो चवै।
खियारो सूँ बपारोपी गया।
खिऊं मूंडा व्हे मार गजा, जियां रा मामा मतवाला।

खिऊँ पग धोग्यां तो
खिंण रो ही हाथ चाले ने खिंण रो ही मूँडो चाले।
खिणा पीला चावल दिया हा।
खिंण २ रे मूँडे आडो हाथ देवाँ।

(खी) खीं की माँ अजवाण खाई है?

खीड़ी ने खण नै हाथी ने मण।
खीड़िया पर पैंसेरियाँ कूं बावो।
खे जेठ सौर ही बेटी जाई है।
खीयाँ दूबली घर न्याव है।
खीयां सो खाम, भजियां सो राम।
खीड़ी ने मूत रो रेलो ही भरी व्है है।
खीयां जाइजो ने खमाई पाईजो।
खीया मुसलमाना रा हिन्दू खरडे हो।
खीया मूँडिया खीटां।

(कु) कुंणासे बाग री खबर है?

कूवे भांग पड़ी।
कुती ही गई ने पटियां ही ले गई।
कुगाडे खादी नै सुसरोजी बैद।

कुतड़े नै रोटी नाखी होती तो घुसतो तो सही।
कुतड़ो टोय नै घुसियो नहीं।
कुत्तों रे जे साथ हुवे तो गंगा जी नहाय आवै।
कुत्ता थारी वाण वानी, थारै धणी री वाण है।
कुत्तै री रुखाली है।
कुँण दिनें ही आवे-जावे कुअन पांणी लावे।
कुत्तो नोरेल रो के करै।
कुत्ता लड़ाई है।
कुत्ता रोल मती करजो।
कुत्ता मारता फिरो।
कुवे री छाया तो कुवे में रहे।
कुवे में होती तो खेली में आती।
केसरिया कर लिया है।
२७१ केसरिया तो कर लिया पिण निभणो ओखो ही।
के तो घोड़ो घोड़ां में, नहितर चोरां लियो ही है।
कै आयां ने कै जाती पत
२७४ कै नर बोलविया

कोयला खाई जिणाँ रो कालो मूंडो होसी।

काबो आवै न ताली बाजै।

२७७ कोडिये रीक को टाबर

२७८ की है धोरियो ठाकर

काचै आवै बोगली पड़ गई।

कोई चालै चाकरी ताज्यां तुरक तियार।

किरणे रे पारवती जाय ली खड़ी।

(कौ) कौड़ी २ कर्ई मो ताज।

कौड़ी कौड़ी किया ही लख लागे है।

(कं) कंथ उधार्ग नी मिलै। मांगी मिलै नी नार।

कंणी बाई धाध धाल।

काम भालो है चाम भालो चांयनी।

काणी रो काजल बी नहीं सुहावै

कीं दाल में कालो है।

कान में कबाले है।

कायर जियाए धापर कैरे जियां ने ही धाजै।

कीं री मा अजवांण खाई है।

किण रो पातो नै किण रै आगे फोड़ूँ।

२६२ काम रै नाँव तो ताप चढ़ै है।
काणूँ ऊँट कैर मांय देखै जिऊँ होवै है।
२६४ कालै मूँ की गाडड़ी खूब मतीरा खाय। आयो खेत रा की धणी पूँछ दबायाँ जाय।
कांटी री जड़ आगड़ै तांई
कबूतर नै खुडै में गुटरेला।
कबूतर नै तो कूवो ही सूजै।
(ख)
खर घुघु मूरख पशु, सदा सुखी पृथ्वीराज।
खड़ी खाय है नै पड़ी उठावै है।
— खटाव बिना खटेव नहीं।
(ख) खाली पीली सी जल रई।
खायो रे परड़ोटियो के काकीनर कठै सूँ लाऊँ?
खायाँ बिना रह ज्याय, पण कहे बिना नहीं रहै।
खाय जिणरी ही फोड़ै है।
खाय जिती ही भूख ने ले जिती ही नींद।
खाव में खटमी ने चोर नै घोचा सैं मारै।
खाई रौ उपाई।
खाव उलालियाँ कालजा दीवै ला।
खावै सूर ने कटीजै पाड़ा।

खावो मूँडै बोरैं बोरैं।
खांवण पीवण नै विमाळि न नाचण नै नगारज।

(खी) खीर नीर रे कुण रो राज हंस बिन हाथ।

खीराँ मेली खीचड़ी नै सीलग्यो रच।
खीचड़ी खावतां ही पूँचो उतरै है।
खुदा जेड़ा ही पेरसता।
खुसरमादिया रट्टू है।

(खू) खूंटै रै पॉव रोरड़ी नांचे।

खूटी रै बूंटी नहीं लागै।
(खो) खोट पाप री ओट
खोदां खोदां आवड़ै बोरांरी खोगाल।
खोन खाय दीया रतीं।
खोटो रक्को है।

(खॅ) खैंदर्या खुड गियो।

खॉड री धार बैणो है।
खूँटो कोरड़ी री नै हाथ है।
खॉड में खायो जाय न कोई गुड़ में खायो जाय।
322 खाया ओक मातां बल।

(ग) गजब करया ये गूजरी गई दिल्ली ईस्हैर।
गढ गढाँ रा पावणा है।
गधेरी गाली खाय मियाँजी पीसण वाला है।
गधे री मार कुवे रे भूडे सूँ सीझै है।
खोया ऊँट घड़े में ढूंढे।
३२८ गया विहैर
गयोड़ा री कोई पाछा आवै है।
गयो सिन्दूर री कुलिया में।
गयो मारा बडेरा री मातो लेन।
गई बात री कोई पिसतावो।
गरीब री जोरू सेंगा री भाभी
गधे नै मिसरी क्यूँ।
गपियाँ रा बादस्या है।
गरजाँ रो दान नै गंगा रो इसनान
गई भूख नै हेला पाडै है।
गधे री लात सूँ गधो नहीं मरै।
३३९ गधो कुरड़ी बिना नी रजै।
गई बात नै तो घोड़ा ही कोनी पूगै।

गधी मेवा लावे जिरो किया गधी ने खवावे है।
गधाँ नै घोयाँ घोड़ा नहीं व्है।
गरीब री हाय नहीं लेणी।
गढ़ खिला तो बसता ही भला।
गडु ने गाय तो मैला ही उपाजिया।
३४५ गरीब रे मोते बीया नै कूवे में नाखिया करो बहै है।
(गा) गाय नै साड़ री राम बेली है।
गाय रे भैंस कांई लागे।
३४८ गाय ने गोलो दोनूं वि...
गाय ने हल जोड़दी।
गाड़ी डोल ने परा पग मत सुजावो।
गाजर री पूंगी बाजी जिते बजाई नहीं तर तोड़ खाई।
गाँड तेरे मोती ऊँने कुँण छोडे।
गाडा टले पण हाड़ नहीं टले।
गाल पाप री आन्तरो कितोक।
गाडो व्है जठै बलद तो आया रे।
गाबा फाटया ने गरीबी आई।
गावताँ रहाँ हूम व्है है।

CENTRAL LIBRARY

गाड़ी रै नीचे कूती मेटे ने जाणी मेरै हीज चालूं गाडी है।
गाडी रा पग दोव ने लाडी रा पग फूलै है।

(गि) गिड़ आपड़ियाँ (लड़की पैदा हुई)
गिरे आई है।
गिंडा ने गांठ देली।
गिल्ली डंडा रमता फिरो।
गिरगिरगट तो मिट गयो पण चिरपिरगट नहीं मिट्यो।

(गु) गुल रो भाव सोला सेर।
गुल दियाँ मर ज्याय जणै बिष क्यूं दो।
गु खायाँ रोल नहीं नीसरै।
गुराँ सा का सुसियाँ।
गुराँ रो धाने मने।
गुड़ खल एकै भाव।
गुल नाकालर जेड़ा मीठा हो वैला।
गुल दे नहीं तर धोरी हाथे जंजी ली।
गुराँ बिचै चेला हद गया।
गुल तो अंधारे में ही मीठो।
गुल तो खावे ने गुलगुला सूं परहेज राखे।

गुरां सू बचणां के चीफियां तरा
गुल बिना ही चोंच।

(गे) गेर माचगी।

गेला गांव मती बालजो के भली याद दिराई।
गेलां ई खिसा घर।
गेली सासरे गई ने नहीं गई
गेली सासरै गई ने बहू बटगई।

(गो) गोजै री बात गोजै में ही रैणी चाहजे।

गोली खिणरो गोखिया जोगी खिणरो मिनख।
मौजिया ख्रिणरी असतरी, तीनूं ही मिनख कुमिनख।
गोला ख्रिणरो गुण करै आंगणा गाते आप।
गोइड़ा ई पाप सूं पीपली बलै।
गोटा मती बालजो।
गोटम गोट चलाय दी।
गोडा पेट ने निवै।
गोगो गायो ने गीतां नो छे आयो।
गोला ताला सात मता।

(गं) गंगा जी ढ़ल गयो।

गाँव गयोड़ा सूता जागै।
घर तो कुगायाँ रा हीज क्या है।
घणाँ वटे जिऊँ करणो।
घर फूटाँ ने कारी नहीं लागै।
घर बार प्यार ने ताला कूँची मारा।
घटे जिका पूरा करो हरि।
घण कूणी ने पाडो री माँ।
घटत बढ़त ही छाँवली है।
घर बैठ्याँ ही गंगा बहाई।
घटे जिका पूरा करे हरि।
घणा बूरा करा हाण।
घर रा धणी नै घर में मत जाव।
घणां हेत टूटण नै, मोटी आँख फूटण नै।
घर री रीत बारै मत काढ़ो।
घणो खोड़ा खाती रो लो।
घर री डाकण घर रां ने खाय
घर सारू पावणो है पावणौ सारू घर कोनी
घर में नहीं आवतरा बीज वैरी खेलै अमावातीज

घर री तो रोवै है ने पाड़ोसण ने फेरा आवै।
घोड़ सूँ घड़ो मरीज गयो।
घर रा तो घरी चाटै नै गुरां नै आटो भावै।
घणों मतियां आंक वहै है।
घर री गाय रो घी है।
घर रा रया न घाट रा।
घर सुहावती खावजो ने लोक सुहावती करीजो।
घर डीया तो मसीत ही डीया।
घणाँ भाटा भांगिया है।
घणाँ पूताँ कुल ताणा।
घर ऊदरा सोरा वहै जिउँ करो।
घराँ री शादी ढोलला।
घणी हँसी विनास करावै।
घणाँ नाच नचावेलो।
घर बारणैं तीरथ रहै है।
(घा, घी) घी ढुलियो की तो मूगाँ में।
घाव तो बैरी रो बी सरावणो।
घी घटियो तो कलड़ी पकाणो है।

घी रो ने खुरा रो मूंडो ही किणं देखियो है।
घोड़ो कठे बाँधू के मारी जीभ रे।
घोड़ो तो दौड़रने थारे ने हसवार रे जाब में नहीं।
घोड़ा वाली चढ़ पकड़ ली।
घोड़ो ने फोड़ो तो पँपोलियाँ हींज बधे है।
घोड़ा गिंण गोरियाँ हीं ने नहीं दौड़िया।

(च । चपड़कचूँनी बीनणी ने रेंचाताणूं बीन

चड़ैका सो पड़ैका।
च्यार दिनां री चाँनणी फेर अंधारी रात।
चलू रोटी ठाकर मत दो।
चडज्या बेटा सूली, क राम करै सो होय।
चवड़ै छल्लाँ री रावड़ी है।
चवड़ै धाड़े बजार लुटे।

(चा । चाव सूँ मरणों आछो।

चाकरी न कीजिये, घास खोद खाइये।
ओछा खोदें आस पास आप दूर जाइये॥
चणाँ ऊछल ने कीं भाड़ फोड़ै है।
चित भंगा होय गया।

चित में न कोई पुट में।
चिड़िया फांकी जीया है।
चुगल नहीं चूकै, संग ही चूकै।
चिणी लगावै है।
(चो) चोटी रैणी चायजै सीत मलाँ ही जाय।
चोपड़ियै घड़े धोर नहीं लागै।
चोर चोरी करै पण घेरे तो साच बोलै।
चोर चोरी सूँ गयो पण हेराफेरी सूँ नहीं गयो।
चोर न वे मारै चोर री मां ने मारै।
चोर बादस्याही माल खाज्याय।
चोरां बिचै मोर पड़े।
चोपड़ी ने दोय-दोय।
चोर री डाडी में तिणको।
चोरां जातां चण्डाला जावो।
चोर री मा घड़ै में मूंडो घालने रोवै।
चोर ने कहे चोरी कर कुत्तै ने कहे घुस।
चोको लाग गयो।
(चं) चंग चंगाई सूं बाजै। बिन चंगाई नी बाजै।

चाँच री जोई चूँण है।

(छ) छान रो सो बोज उतर गियो।

छदाम री छाजली ने छै टका गठाई रा।

४७४ छत्ते ररजी...

४७६

(छा)

छाती मांते हाथ आयो व्हे री।

छाती मांते मूंग दलै है।

छाती पत्राड़ियो नाहर ने जे छोड़ै तो खाय।

छाय ने आई ने घर री धणियांणी बण बैठी।

छाय ने जावे नै लोरें कुलड़ियो छिपावे।

छाय ने गई जौ पाड़ियो मर गयो।

छालीरा बांन तो धणी रै हाथ में है।

छेला देवी सादे जोग, छीजे काया बाड़े रोग।

छूरी हेटे सांस लेयो।

छुरी-कूण्डो तो कसाई रै हाथ है।

(छो, छौ)

छोरियां री घर वाले तो वाको बूडली क्यूं लपावे।

धोडा पाडण धूँर उवीलणा, पप पापियाँ और नारी।
इतरा चेला मत करो गुरवां कुब रौंला अंई।
४२८ धोरा धोड़ी कौ है है...

(ज)

जलम पुतरी रो जोग तो सारलो।
जबरदस्त रो ठेबो मांथे ऊपर।
४९२ जबरो में
जमियो आठियो।
जमी पाड़ियो आसमान चाटे है।
जव तिल वालो परा।
जमी आसमान रो फर्क है
जल में वहीं मल।

(जा)

५०१ जाट रहे जाटणी इण गांव में रैंणो।
ऊंट बिलाई ले गई हांजी र कैणो।
५०२ जाणी तो चोर रो सूत ही कोय नहीं।
जावते चोर री चोरी है।
जाट जंवाई भांणजो रैबारी र सुना।

जदे न होती आपरी कोठी पोता।
जाणी चिड़ियां में उल पड़ियो।
जाण नहीं पिछांण नहीं हूं लाडे री भूवा।
जाया जियांरा पूत नै वातिया जियांरा सूत।
जाट री बेटी नै मामो जी री आंण।
जातरो काज कोय नहीं रातरो काज है।
510 जाणूं चिंता नै तावं।
जाया जैड़ा ही परणाय देवो।
जावतां रै ही जिको ही आपणो है।
जांणतां बूजतां छिपावो मती।
जागतां छुरी वे है।
515 जामा ठगा रो ...
जावो थार बैरी दुशमण।

(जि)

518

जिण नै पूरी चारियां ही क्रोयली
चिणती चिणती भूल गई
जिण रे हाथ हंडी होई। तिण रे हाथ सब कोई।

जिणें जिणें रो मन रमवलो मौजियां रह गई बाॅझ।
जिणें गांव ही न जावणों तिणें रो मारग ही क्यूं पूछणो।

(जी)

जीवता रवेला ना तो फेर बसावेला घर।
जीवती मांखी मत गिटो।
जीवता रेंहा तो रे चोररा हॉं।
जीब नहीं होती तो कुत्ता ही बोटी खावता।
जीवतां ने मृत कर दिया।
२८ जीब ने तालवे बिचे पड़
जीव में जीव कोरे घालीजें।
जीवता ही मारियां री गरज सारे है।
जीविया रे जीविया, रे! धूड़ खायती जीविया।
गुड़ी नहीं तो बोजियाँ ही मर ही।
जूँआं रे डर सूं घाबलियां नाखे है।

(जे)

जेड़ा थाप लेणा देणा जेड़ा म्हारा गीत।
३५ जेठ जी बराबर... करै है।
जेवां घालिया हाल जदै हीज जाणिया।

जैसार देस घर भला तैसा ही परदेश।
जो नर जैड़ा होय, जैड़ा हीज राखे कने जवान।

(जं)

जिन्दी गाँव ने वडै न गाँव। जिन्दै ने वडै।
जाँन घणी काई तो मांडो करो।
४१ जांणो ...

(झ)

झगड़ो ने पेट भडावे। जेतरो ही भडै है।
झगड़ा झौंटर अम्बर री पुन आपा लीजै।
झूठ रै हिया पग व्है है।
झूठे री पतियारो नहीं करणो।
झूठ घर घाले है।
४८ ...

टाला टूली मती करो।
टाबरिया मारियाँ सो गाल व्है ही नहीं।
टार मारियाँ के डांण डांपै।
टालो ईस ने बैठो बीजे
टालियो टलै ने बालियो बलै।

टार ही खाय ने फुठण ही खाय।
टोगड़िया बैलो मती।

(ठ)

ठग ठगां रा पांवणा है।
ठगां री जान ने काशी मरां रौ मांडो।
ठाकरां की टाबर है? के भाई रै साले रै दो डावड़का है।
५८ ठाकरां आडवां बलै है के आरी एक डो है।
ठार ठार ने खाईजो।
ठावां ठावां टोपला बाकी रा लंगोट।
ठोर मजूरी आगली कारीगर के पास।

(ड)

उबक्रो ही कोनी बाजियो।
६६ डाड टेटे ... हमें बीज कर्यो है।
डाडी दन्त रूंवाल सिर साल्ते ही चालसी।
डावण ही ने जर्क चढ़ी।
डाकणियां रै ब्याव में नेवातियां रा गटका।
डावण बेटा देवे ले।
डावण ने मांसी।

(ड)

डमां आडी डकरी ने बलडां आडी ऊँट।
डमणी रे सोवण में वी राग।
डबो ऊपर तीन बांत।
डम के डर रहै जावतो दिवाली रती।
डेड के गैलो ही दरियाव है।

(डो)

डोकरी घणां डोफा देखिया है।
डोकरी आवा बरोबर।
डोरो लियो गले में डाल, गिणिया पान चरे गोपाल।
डोजा डोजा हीज खड़ो हो।
डोडू पे हीज नगरियो है।
डोकरी कितरा बरसां में हुई? वे आजूं तो हुयाँ ही जाऊं हूं।
डोड चावल री खीचड़ी न्यारी ही पके है।
डोड में के है?
डोड लकरी देखियां साठ लख री ताव जावे।
डोकरी वालो गिरगोस
डोकरी रे केयँ खीर कुंण रांदे।

आखाणी प्रमाण २१।०८।५१ छापा।

कड़ पतली मूण मोटी, पैसै पियाल चढ़ै इंदरी डाल।
पड़ै पिंण भागै नहीं। मकोड़ो।

कण काती जिंण भादवै, मोजी आसू रात। (जांण)
बहु बछेरां डीकरां नीमटियां परवांण॥

ऊपर घालो नीचै घालो, मांही मेलो सात सुहालो।
बिरचण वालो सात जणो, हांती घोड़ी हल हल घणो॥

अम्मर मरतो दिठु मैं, चानचाँ रन पाल।
तिछमी ईंधन बीणती, भलो ज ठंठण पाल॥

जदकी परणी तदकी परखी, करे न बोलै मन की हरखी।
जद बतलाऊं कड़की बोलै, बालूं सोनूं कानजं तोड़ै॥

गयो जोबन उम्मर रै सो माणस अग्यांन।
भउ रूंडर डीसजै, पाकै मांजे कान॥

गलै खवास ने करवी चोरी, मारग चालो चंचल गोरी।
बरसै मेह ने रात अंधारी, कुटी राब नै मोली खारी॥

संडासी घर मांडियो, नवरंगी नारी परणियो।
बूढ़ापै बिसल्यो डोकरो, बूढ़ी गाय गल टोकरो॥

न जीमणा न जूठणा न कांचकी न सहु।
साप सर्पा ई पांवणा, जीमै रे जल्लद॥

टाणों मिलियो टोरडिया, ढूंढणो अर्यो नात ।
कै मीनाड़ी बोटियो, कै उघाड़ौ रह्यो रात ॥
एक दुख नैं बीजो होतो, काहि है मगतण लितातमासी ॥
ऐ तो अमलरी चरित बीजा करहवै, तिसचै एतोतुकनैं भावै ॥
आठ पोहर मूँ आगलरहणां, कथा करेसो फेरन कहणां।
यूँही कैतों मानरखो लाघो तो चूड़ं वाली नै घर रालो ॥
इसा बरसां सूं आयो पीव, न हँस बोल्यो करयो न जीव।
नयन पूछी कुसल खेम, तरै कालो मुँट नै नीलो पग ॥
जिमाई आं बास घर, घर में नहीं डांणू ।
आई एक आंगन ने कंगलियो कांणों, करो मोज नहीं पास नें नांणू ॥
कै गुमान ने करव में टांणू ।
एक टटू ने चढ़-जण मीर, जा बांध्यो सागर कै तीर।
समदर तीर नहीं छै जायगा, डोढ़ घोड़ो जीडवांणौ पायगा ॥
पास नहीं छै दाम कि साह कहमयाँ।
बे बेवाडा बालड लडाई, कि ताडा आइया ॥
गाय न जांणै गीत अलापै राग में।
परिहर्ड दोट भरि बकाइन रूंख जियां जी बाग में ॥
मैं नाहिं रूठी तूं किम रूठो सारी रात सूती अपूठो।

उठि रंथा करूँ निहोरा, ऊट न कूधा, कूधा बोरा।।
तैं ही कंत उतारयो चित, हूँ ही और करूंगी कंत।
तूँ मुझ सेती कीन्हो ऐसी, नांचण पैठी घूंगट कैसी।।
न लड़कां न पूछणां, आसा मध्य अकांह।
पूछड़ियां फरकाइयां, उचालो हिरणांह।।
एक गाडर सत जणां भीर, तिण को नाह संधवै खीर।।
तिणं खीर री करी विचार, देवै तन तीरकी धार।।
साए हवा साहजी, कारण लाजा केंद।
काम सरया दुख बीसरया, बैरी हुयगा बैद।
एक गाय ने गोकल वासो, पड़े चणीने नितको सांसो।
दही दूध ने बिलोयरवायो, ऊंगतड़ी बिछावण लायो।।
पारेवा पाथर चुगै, कुकड़ चुगै कीर।
बू भोजिन वास रहै, चिन्त्या डहै सरीर।।
एक गाडर ने अविरल धीणों, धीरै टांग्या रहै मथाणां।
टांक बे उतरै लूंणी रो चलको, नागी भली न पराळरो बचको।।
काच कथीर न सोहै मोती, ढेढ चमार न सोहै धोती।।
दुसमण बात करै अणहूती, जद तद खता खवावै गोती।।

पाव खांड ने जणॉं पचास, किणं किणं री हूं पूरूं आस।
ठाकुर मांडे बे बे हाथ, बूची चिड़ी कपूरो नाँव।।
मांगिये लूगड़े तोरो करै, घर घर बड़ाई करती फिरै।
घर में नहीं खांण ने धांन, चाबे ल्याय उधारो पान।।
गढ तरुवर अतेवल महाजण, नाहर चोर भय धरती मारण।
साँझ सँवार सूल पग छायो, दुरजन मिनख राज कुल लायो।।
और गिलचा सो पाछा आवे, ज्यूं माला मिणियाँ सह्द।
आ तो बात अमिलती दीसै, भाई गांगें मिल्या सुगद्द।।
एक तो बडु अर कूदणी, जोबन नंदन छायो।
भागण कूदण नाचण लागी, ज्यूँ बानर ने बिछू खायो।।
हे सखि सासू करै घर बैठी, म्हारै साजि तू आवा हिलो
न म्हे जॉवॉं न बुरो कुरोंवॉं, गुड़ खॉवॉं न म्हे कान बिंधॉंवॉं
अवसर आय ने खराचियो जिण ही काय लिगा।
दीवाली न कूदिया (तो) कद कूदसी कुतार।।
जांगी ढोल ने बालि मढ्यो, चतर मिनख हाथे डाको पड़्यो।
नारी जात जोबन में मढ्यो, एक ऊंट अकरड़े चढ्यो।।
अणबोल्या पी लाव को, बोलि अन पाको बार।
तीनों म्हार गमायदै अंतजार री जार।।

खाई नै खबराविये, उडै पराया डांम।
लोही लोही नीसरै, जो चीरीजै चाम।।
जो निरदुखण परिहरै, तो हिव कोइ लाज।
गाडै रै उलल्या पछै, कीतो बिनायक काज।।
पिव पातै सूता पछौं, हेज नहीं लव-लेस।
जैसो रंधो घर रह्यो, तैसो गयो बिदेश।।
दोषी जन जेट्या अरेजर, फिरण घाण करकै ज लोवो।
वैस्या दिसै ज होवै बेगा, मन चंगा तो कठोती गंगा।
दीठा देवळ धज समा, अध उरध फिरेन्त
के बांका के पाधरा, तारो लगे फिरन्त।।
खिण खणो खिण वारको, खिण फ्रैर खिण जीह।
देव न दीधा चंदने, सबै सरीखा दीह।।
ऊजड़ खेड़ा फिर बसै, निरधनियों धन होय।
गयो न जोबन बाहुड़ै, मुओ न जीवै कोय।।
खड़ सूखो गोभू मुओ, बाला गया बिदेश।
अबाल चूका मेहड़ा, बूठा काह करेस।
सिंह संगत, सापुरस बचन, कदली फळै इकबार।
तिरिया तेल हमीर हठ, चढ़ै न दूजीबार।।

तन तोलो मन तावड़ी, नैणां बिणजण हार।
अवसर देखि न विणजियो, सो बाणियूं गिंवार।।
हंसा जेहा ऊजळा, पापर जेहा चित।
केम्ये घाली मैवली, जोबी किसका मित।।
रे मन पंछी समझ चुग, मत उळझै मंन मांहि।
कठिन पंथ है प्रेम रो, परचौ सु मिलसी नांहि।।
जाग अपजस देखत नहीं, देखत सांवळ गात।
कहं कहूं लालच परै, चपल नयन चलिजात।।
चित चंचल उजल कमल मीठा सपणा मजूद।
मेळा है मोटा घणी, आंख फुहर अचूक।।
दिन जावे देख देखतां, करतां जावे रैण।
सज्जन नेह लगायके, बैल न बुजी बैण।।
बीछड़ियां बिग्रह घणां, मुई अन्तरा पड़त।
नदी बिछटर बातला, अवल देणा मिलंत।।
जो जीवो तो हंसि मिलो, कास रोस रिपांह।
घासी घणूं अबोलणां, लाम्बो पंथ पयांह।।
कित कोयल कित अंब बन, कित दादर कित मेह।
जलमांतर बिछड़ै नहीं, गुरवां तणो सनेह।।

तन चंपा मन केवड़ा, सींचत अमृत वैंठा।
प्राण प्रिया के बाग में, अजब फूल दो नैंणा।।
साजन तें दुरजन भये गांठ परी मन मांहि।
पलकां की टाटी दिये, तड़े तड़े जाँहि।।
जिण कारण म्हे आवता लाम्बी मरुधर बीच।
तिण साजन मुख फेरियो, जुग पिसणाँरी सीख।।
लाम्बी२ बीच भर-भर चालूँ भरमणी।
सयणाँ सीधी सीख, पिण मूरख मानै नहीं।।
कहेक तो दिन वे हुता, बिच न समातो हार
पाव बिरह की बह गई, अब बिच पेर पहार।।
नयणां सोइ सराहिये, जिंण नैणाँ बिच लाज।
बड़ भयाँ नै बिल भरयो, वह सम्मन किहि काज।।
'सम्मन' बुरो न कीजिये, कहे न दीजे गाल।
जो सिर में फल री दिये, तो संमन ~~किन्ह~~ करताब।।
'समन' फल जुग के बिरख ऐसो बरतो भाव।
जो तो मारै कांकरी तो फाकर सड़काव।।
संमन समय बिचार कर, अपणें कुल की रीत।
स्यारी कै सूं कीजिये ब्याह बैर अरु प्रीत।।

'संमन' संपत के बधैं, बड़ो न कीजै चित्त।
ये तीनूँ नहिं भूलिये, हरि अर अपणूं मित्त॥
सब देही में चाम है, हाड़ मास जिय नांहि।
अरथ करो बेमसखरे, आख पहेली मांय॥
द्वादस में दोइ लीजिये, ता में तजिये बीस।
बाकी में तुम बसत हो, साखी है जगदीश॥
दिज दूणी भर बांण रस, खण्ड फिल्यां जो होय।
तां में हमकूँ राखज्यो, क्रिपा तुम्हारी होय॥
सोरठड़ी सी नार, सिर सोनां रो बेहड़ो।
चोकां तणां ज च्यार, हँसे दिखावै केवड़ो॥
चोकां तणांज च्यार, जिण पर ही दीठा नहीं।
देख्या राव खँगार कै बाके दाँतण देखली॥
खिंण आवै खिंण जाय, बारै ही लागो रहै।
बीजो वैदन कंई, कपूं ली तो माना कह्यो॥
वेदन कहाँ तो मारेजै, कहूं तो लाज मरांह।
थे बेली म्हे करहला, रहो तो चारि र जाँह॥
थे छो काचा करहला, म्हे छां कड़वी बेल।
म्हे निरख्यां थे चरस्यो नहीं, जास्यो ऊभी मेल॥

सुण बींझा सोरठ कहै बिहूं बिहूं जणांह।
मांटी सोसर फूटतां, धण ऊकसतौ धणांह ॥
बींझा बाड़ पलास री अण छेड़ी खरराय।
नुगरा माणस री प्रीतड़ी, पत सुगणां री जाय ॥
बींझ मैं थांनै ऊलख्या मरोड़ पाई मांहि ॥
जांण चमक्यो केवड़ो, चंगी बाड़ी मांहि ॥
सोरठ म्हे थांनै ऊलख्यां, मझ्झर कूलर मांहि।
जांण चमक्की बीजली काला डम्बर मांहि ॥
साजन वेदन व्यापसी थां, परदेश गयांह।
दिल भीतर दव लागसी, मिटसी तो मिलियांह ॥
जो बींझा घर आपणौं, ऊभो अंख म जोय।
चित चालियो बेलो बुरी, रखे रफोर होय ॥
सुण बींझा सोरठ कहै, नेह कितां मण होय।
लाग्यां तो तोलो नहीं, टूट्यां रंच न होय ॥
सोरठ दियै उलंभड़ा, चौबारा री धांह।
आंगलियां री मूनड़ा आंवण लाग्यो बांह ॥

सोरठ ऊभी गोरवड़ै, जाँण आवाड़ै मल्ल।
मत्त गयंदा ऊपरै, जाँण चमक्की ढल्ल॥
दीसंता हावो करै, बाळंतां हर पीड़।
सदा सुरंगी सोरठी, सुगणाँ रै सा पीड़॥
बींझा बदनामी चढ़ी, लीजण लागो नाँव।
दश घर झाडर दे रह्यो, छोड़म जाज्यो गाँव॥
बदनामीसूँ जे डरै, तो क्यूँ नेह कराय।
बाग बिछूरा हिरण ज्यूँ, हाथलिया चरिजाय॥
बींझो मारू तो भाणजो, सोरठ मरवण जोय।
बिहूँ पवाड़ै सज्जनाँ, लीजण लागे लोय॥
खिज मत मरो खँगार, जेण उघाड़ा ढाकिया।
दोऊँ कुल तारणहार, बीझो सोरठ देवड़ी॥
बींझा बाँस पयाँह, गिरनारै घाँछ्या घड़ै।
फिर फिर फाटताँह पारता मुळकी नहीं॥ ८५
सोरठ सुरता जलमरी, चतुर म लागो चाव।
थे म्हे सामूँ जोइयो, म्हे तो पायो लाव॥
बींझा पाँणी पीव, रह्यो तुम्हीणो बीजरी।
पंजर माँहिलो जीव, ताप तुम्हीणै डीजसी॥

सदा सुरंगी सोरठी आज बिरंगी काय।
मन पिसतावो मत करो, बरस्यां एकण जाय॥
सांईज ठाम सुठाम, जिण ठांमै साजन बसै।
साजन बिन जो ठाम, सूती सोरठड़ी कहै॥
मूँ में कोवो हर मौंयं ठोलो।
इण जग मीठो तो आगै कुंण डीठो।
काव में धोरो हर गाँव में ढिंडोरो।
खांड खावणियाँ नै खांड मिल्यां तोई सैर।
खींवण दीठी ईसरणी, नोखी परी बीसरणी।
खोटी खोरी थारी नै चोखी-चोखी म्हारी।
रीतो घड़ो झलकै, भरयो नी झलकै।
खोटो पिण तो बी गाँठ रो रुपैयो।
एक नन्नो सो दुख हरै।
चोर सूँ माल नै चुगल सूँ हाल छिपायोड़ो अच्छो।
छैल छिपायो नी छिपै, मैला गाबाँ माँय।
जोड़ी मिली रे जालमा, आसो नै रिड़मलू।
जावताँ रा जँवाई नै आवताँ रा साला।
डाढ़ पड़ी बाढ़, उधारी ही ओढ़।

(अ) अण कमाऊ ने दूणों भावै।
सारी रात डोलीयो ने दकणी में उसारियो।
आई मलबा ने बैठणी दरबा ने।
आँख आडा कान।
आँधा आगे रोवणा ने अपना नैणां खोवणा ने।
आडो आवै जैरै बाड़ ने कतणू पड़ै।
आडी पड़ी रात जिणरी कांई बात॥
आपरी सो आपरी, पराई सो पराई।
आधी म्हारी टाटी फिरे दाल बाटी।
आँधार ने पांगलो तांणो।
आँधो भींत सूँ भचेड़ो खाय मानै।
आंचो आय गियो है।
आंती आयोड़ो मरे है मौत।
आँख री सरम है।
आँख आडा कान करणा।
आँख रेहरी पाँव।
आँख मन री पाँव।
आँख आई ने पाँव गई।

ऑगळ्याँ कॉच ने गऊ चारवे।
उतावळो सात फेरा खाय।
उतावळो सो बावळो।
ऊँट रो पाद क्यों जमीन रो न क्यों आसमान रो।
ऊनों सोवणू ने ऊनों खावणू।
जिण घर बैद कदे नहीं जावणूँ।।
ऊबे लकड़े बेज काढे।
ऊबा पगाँ री सगाई है।
ऊँघ उरवरड़े ही आजावे।
नींद न जाणै तळे बिछाणूँ रोव न जांणै लूखो खाणूँ।।
ऊपर मीठो पेटे खारो।
ऊगो सोई आथणो।
एक लिखियो ने सो भणियो बरोबर है।
ओडी पैरी नार, ने लीपी ढोली गार।।
कूकड़ो होवै जैठे हीज दिन नहीं ऊगे।
कूतो ताणै गाँव ने स्याळियो ताणै सींव नै।
कोठी में नहीं कण, माथै मोटो रण।।
करणी पार उतरणी।

करमाँ री व्याल।
करम आडै पानड़ो।
करमा आडी डाल।
करम फूटया ए कोपली गूँथूँ सूँ घरवास।
करम- जोग
कहै सो करै नहीं गाजै सो बरसै नहीं।
लाख गुणाँ छोडु करै म्हेर करै माईत।
काजल सूँ आँख भारी कोनी होय।
काजल री कोटड़ी में दाग लाग्याँ हीज सरै।
काती में सब साखी।
कालो मूँडो र नीला पग।
कार कहणो, बेकार नहीं कहणो।
कंतर सो मंतर।
कैणी पण ऐणी नहीं।
कैणो सोरो पण करणो दोरो।
करता उसताज, न करता सागिड़द।
करै बद की होड़, देती बिरियाँ कोड़।
कोडियों तो व्हैणो, पण कलंकी नी व्हैणो॥

कांदियो कांद दे, भेलो नी बलै।
खावै सूर कुटिजै पाड़ा।
खाँड गलै जद सगला ध्यावै।
गाँड़ गलै जद कोयन आवै।।
मीठो खावैला जिको खारो ई खावैला।।
खारो बोलियो नी मीठो जीमियो कदे ई को भूलै नी।
खड़कै जागै नै भड़कै भागै।
ख्याल खिलारियाँ रा है।
गोहिड़ा रै पापे पीपळी बळै।
गिरको रो कांई पूछो हो? गिरको रा माथा फूटै है।
गाडा हेत टूटण नै मोरा ढोल फूटण नै।
गाँव री साख जिमार भरै।
गाँव-गाँव खेजड़ी नै गाँव-गाँव गोगो।
जे पीवता डोव छाण, कपू चढे तो बोगो।।
गैलाँ री गमायोड़ी, खैणाँ सूँ नहीं बावड़ै।
गाँव कोटवाळो सिखावै।
गाँव री साख बाड़ा भरै।
गाँठ में तो नांणो, तो बीदं परणै काणो।

गीतॉं में गाईजै जिका सोडा दूजा।
गम खॉणों बड़ी चीज है।
गधे माथे हाथी री झूल।
गतराड़ॉं री धोज ने बाबायाँ रो धन।
गाळॉं घी री नाळॉं।
गुड़ घाले तो जैड़ा मीठा तो गुलगला बणतो।
गुड़ ऊपर तो माखियाँ तो आवै।
गुड़ गलियो तो बिवाह नक्की।
गली में तो तो सिंग है।
घर रा टाबर घंटी चाटै, पारका ने मलीदा भावै।
घरणी बिना घर नहीं।
घिरत बिना भोजन नहीं।
घर घर माटी रा चूला है।
घर में हांण ने लोगों में हँसाण।
घर टाबर घरी चाटै ने पॉंवणॉं ने सीरो भावै।
घरी ऊनरी घर सूँ ही राजी।
घर री डाकण घरॉं ने खाय।
घण जीत्या रे लिछमणॉं बोल्या ही हड़मन्त।

घोखत विद्या खोदत पाँणी।
घर में लूखी सूखी, बारै मूँछ तीखी।
घाठ खाडी घणीं, पेट आयो तणीं।
घणैं घाटाँ रो पाणी पीदोड़ो है।
चालणी रा बेज सामाँ ही दीवै है।
चोपड़ियै घड़ै छाँट नहीं लागै।
जीवणों जितै सींवणों।
जोयाँ भूख नी भागै।
डूमा आडी डोकरी ने बलदाँ आड़ी भैंस।
फिरती-घिरती छाया है।
ढोल ने ढोर तो कूटिया ही भला
ढकियै घड़ै पांणी पीणों।
ढोऊँ ढोऊँ ढोकलो, खाऊँ जितो मोकलो।
ढेड री साख गुरड़ा भरै।
तामणी तरै बतावै।
तलीजै जिको बड़ो होवै।
थाँ घराँ बो नाणों, तो म्हाँ घराँ यो ताणों।
दिन अस्त नै मजूर मस्त।

दिन खसियो ने मजूर हँसियो।
दियाँ रा देवळ चढ़े।
दव रो बळियो पाँगरै पण जीब रो बळियो नहीं पांगरै।
खावणूँ सो रो नै कमावणूँ दोरो।
दूबळा नै दो घणाँ कै चींचड़ कै पाँव।
दीवै बिन घर नहीं, बिद्या बिना नर नहीं।
दियाँ बिना देवता ही राजी को व्है नी।
धोबी री कूँड।
धोबी री कूण्ड में मैल रो बाटो।
धोळाँ री लाज।
धोळाँ ने धीरप देणो।
धरती पड़ियो अकाश चाटे।
धरम नै धन तो बाँधे पोत्ते भलो।
दिस चूको न मरजण दूको।
दव री दाझी पाँघरै, बैणाँ मूल बळंत।
धोबी फाड़ै धोवताँ, मूरख फाड़ै निचोवताँ।
धापियोड़ो सूर खळी रो बिगाड़ करै।
धणियाँ रा धणी कूँण।

दूदाँ न्हावो पुतराँ फलो।
धणियाँ बिना ढ़ोर सूँना।
नकटी घाली नाड़, सोवे गाँव उजाड़।
नकटी रो नाक वाढ़ियाँ नै सवा गज वधियो।
नार नरग री कूण्ड।
नई नौ दिन, खाँची ताँणी तेरा दिन।
नागाई चौदवों रतन है।
नकटा देव, सूरड़ा पुजारी।
नारी बिना घर सूँनूँ, धन बिना नर सूँनूँ।
नकटाँ रै नाक नी, साधाँ रै दिवालो नी।
ल्यावे कठार, देवे उधार, जाँरा टाबर फिरै कुंवारा।
पाँणी पैली पाल बाँधै।
गोह चढ़ी धवै, उतरती पैलै भवै।
पीरजी रै भरोसै घर री खूखली वाळली।
पागड़ी जाइजो आगड़ी, सिर रहीजो सलामत।
पैलै कवै में ही माँखी।
पराई गाँड में मूसल रहै सूँ टीं पोलो
पापो पाप समोसमा।

BIRLA CENTRAL LIBRARY PILANI.

पड़े तो काल नै व्हैती राण्ड।
पाली हाली पंचायती।
पराई हाण्डी घाट घली।
पड़ियो तोबी टांग ऊपर।
पेरम नै नेम तो बांधिपोड़ा ही आछ्या।
फागे गावै कारी लागै, फाटे आवै कारी नी लागै।
फाट्यो टूट बाड़ मैं ढोलो।
फ्रच्छे गावों नै बूडै माइतों री मेणी नहीं।
बोली-बोली शाड़ बधै नै कौटे-कौटे बाड़ बधै।
बावन तोला पाव रती।
बावड़ी में आयाँ मानै।
बैठे जोय, न उठावै रोय।
बलती हाँडी टाट छोड़ै।
बकत में फूलो नावै।
बोलै जिंजर बूबला ही बिकै, नी बोलै जौंरी जुंवार ही नी बिकै
बोलियाँ बैण परखीजै सैण।
बेटी नै उखरड़ो बधतां जेज नहीं रहै।
बामण री हाँतीजो बै, हाली रो खड़ जोवै।

बाबो आवै न बारियो लावै।
भूख न जोवै ठंडो भात, ऊंग न जोवै टूटी खाट।
भूत बाकलाँ सूँ राजी।
भार तो भींत झेलै, दाटी रांड बाई भार झेलै।
भाई जेड़ो सैण नी'र भाई जैड़ो दुसमण नी।
भाई दूसरी बाँह है।
भाँगियो भाखर ने काढ़ियो ऊनरो।
भैंस ने भागवत सुणावै।
भागवान रै भूत कमावै।
भोलो सैण दुसमण री गरज सारै।
भाई। जीतै लाई नी बाकी की बाड़ में ढोली।
भणियो पिण गुणियो नहीं।
माँथो पड़ियाँ मारग है।
मूँडै मीठो पेटै खारो।
मा जाणै सो पिता, बाप खावै खता।
मा मारै पिण मारण नहीं देवै।
माथै हाथ फेर दियो
मोलियाँ रो माल मसकरा खाय।

मोटो जितरो ही खोटो।
राज पोपाँ बाईरो, लेवो राई राई रो।
मांगियाँ मिलै माल, जिणाँ रै कांई कुमी रै लाल।
रांड रुटताँ बाई आवै।
राण्ड बैर रै रोवण री हीज काम।
राम राजी ने झालर बाजी।
रावण रै घरे रोवण वालो बी कोनी।
राम सुधारै काम।
लिया गलिया ने हिये पिलिया।
बाड़ री बेल बाड़ हीज चढ़ै।
बेलाँ बिणजै सो बाणियो।
बिछू नानो पण बांको, दुनियाँ खावै सांको।
बान्दरा वाली खाज।
बाघड़ाँ ने चरावै सो बावै।
सामीजी रै सोनाँ रा सींठ जाँ रो म्हाँनै कांई।
स्याल सांटै भैंस करै।
सासु जितरै सासरो, मा जितरै मोसाल।
सारी रात पीसियो ने ढकणी में उसारियो।

सीख सनीराँ ऊपजै, दीधाँ लागै आग।
सैंग एक होली रा ढूँडियोड़ा है।
सुआली खेजड़ी सेंग चढ़ै।
सींग री कसर पूँछ में नीकलगी।
सोनाँ री थाली में लोह री मेख।
सासरो सुख वासरो।
सास री कांई आस।
हिड़कियो मकोई दिन रो।
हाथ ही बालिया ने पूँख ही दुलिया।
हैमें पापड़ खाय नी पदमणी हुई है।
हथीरा पग में सेगाँ रो पग पावै।
होली रा गीत दिवाली ने गावै।
हाँ करताँ ने श्रोपन पुरसै, ना करताँ नै मांडा पुरसै।
दश बरसाँ हुँ आयो पीव, ना हँस बोल्यो कस्योनजीव
न हुँण बूजी कुशल खेम, तरै वालो मूँडो नीला पग।
आँख्याँ देखी आदी साची कान सुणोड़ी साफ काची॥
Dont believe what you hear, half believe whatsee

कुँण अभागियो कातिक न्हावै, करम हीणं इण आँगण आवै॥

पढ़िया पिण गुणिया नहीं।
सोलवों सोनों।
सुँवाली खेजड़ी मँथै सारा चढ़ै।
सांभर ने लूँण भरणों। To carry coal to new castle.
साचै रा बोलबाला, झूठै रा मूँ काला।
साढाँरै कांई सुवाद अणबिलोयो ही घाल।
सुखिया खावै अन, रोगी खावै धन।
सरम करै सो भूख मरै।
सहज पकै सो मीठो होय।
साँरे री सगाई, गंजी गई तो कांणी आई।
सगपण में साड़ू, भोजिन में लाडू।
साप बिल में पाधरो होकर बड़ैलो।
सैणाँ री गुमायोड़ी गैलाँ सूं नहीं बावड़ै।
सरम नै बैवार रै मेल नहीं।
सैंधो सामी सूँठ रो गाँठियो।
साजै जितै ठाम, पूरौं पढ़ै ठेकरी।
सीता सती, हणमान जती।
सोनाँरी करारी पेट में नहीं मारीजै।

स्याम सूँ संग्राम ।

गाँव री साख बाड़ा मों। A person is known by the company, he keeps.

गोमुखो नार। A wolf in a sheep's clothing.

राम कहै रे लिछमणाँ, भात में घणा जीतै। Many hands make light work.

घणो घुसे सो काटै नहीं। Barking dogs seldom bite.

अंत लोभ गलो कटावै। All covet, all lose.

घणो हेत टूटण रो। Too much familiarity breeds contemplation

घर में नाहर नैं बारै गाडर। Argus at home and mole abroad.

गई तिथ तो बामण ही कोनी बाँचै। Let by gones, be bygones.

गधाँ रा घोड़ा नी हुवै।

गधे री लात सूँ गधो नी मरै। Dogs do not eat dogs.

गरीब रो धन तो टाबरिया ही है। Children are poor men's riches.

गढ़ गढ़ाँ रै पाँवणॉ। High winds blows on high hills.
गाय दूइ ने गधाँ नै पाँवणॉ।। To kill a sheep to feed a wolf
गुल होती माखियां भमे। Where bees are, there is honey
गूगरियां रा गोठिया नै खाये पीये नै उठिया।
When money is lacking, your friends shall be packing.
गाँव क्रै सो गिंवार करै।
गोफणियां रो गोफणियां ने सालगराम रो सालगराम।
घोड़े चढ़ी आवै नै होलै होलै जावै। (बीमारी)
गुड़ सी किसी क्रोर खारी। (सभी स्नेही एक जैसे प्यारे हैं)
गुब्बो खुल गयो है।
The matter has taken air.
घर रा धणी सूँ गोठियो बालो।
धार पंखड़ा साठ।
घर मोटा, घणॉ टोटा।
घणी ताँणी टूटै।
गाडर लाई ऊन ने नै ऊवी चरै कपास।
घर कुशल तो गाँव कुशल।
घोड़ा वेग आवै नै धीड़ी वेग जावै।

गाडो गुड़ड़ै। जितरै गुड़कण द्यो।

घाटो जदही जाणिये क्रै पुराणी बात।

घोड़ो दौड़ै कै घोड़ी दोड़ी।

गाडो चिक्यो बगै है।

कीड़ी सींचै तीतर खाय, पापी रो धन परलै जाय।
Evil got evil spent.

कुत्तै री पूँछ तो बांकी ही ज रवै। What is bred in the bone, will not be out of the flesh.

कुम्हार फूटी में रांधै। A cobbler's wife is worst

कुम्हार कुम्हारी नै कोनी पूगै हर घेरड़ै रा कान ईंटै।
Since he can not be revenged on the ass, he falls on the pack saddle.

कोठै होवै सो होठै आइ रहवै। Speech is the picture of the mind.

कोयलाँ री दलाली में काला हाथ। They that touch the pitch, will be defiled.

काँटै सूँ काँटो नीसरै। To set a thief to catch a thief.

करता उसताज रै न करता सागिड़द। Practice makes a man perfect.

कर भला हो भला। Do well and have well.
He benefits himself, who does good to others.

करता सो भुगन्ता। Harm batch, harm catch.

काग न होवै ऊजलो सो मण साबण नहाय।
Can the Ethopion change his skin.

कहणैं में और करणैं में बड़ो भेद है। Saying and doing are two different things.

आगली जगाँ देख कर पग उठावणुँ चायजै।
Look before you leap.

कँण सै रूँख नै हवा कोनी लागै?
There are lees to every wine.

गादड़ै की तावल्याँ बोर कोनी पाकै। घड़ियेक में मूँ कोनी भ(र) जाय
Rome was not built in a day.

झूठ कितरी दूर चालै?
Lie has no legs.

कुँवारी नै घर-घर बर है।
तुरताल तो कोरो कागद है।
अणी-चूका बोसा है। A moment once lost, is lost forever.

अब पछितायाँ के हुवै, चिड़ियाँ चुग गी खेत।
Words are useless, when the cause is lost.

ओडी में आडो आवे सो भाई।
A friend in need, is a friend indeed.

बल सूँ बुद बड़ी। Policy goes beyond the strength.

अल्ला अल्ला, खैर सल्ला।

दाल गलनी मुसकल है।

अजरां नै मुजरो।

अकल सूँ खुदा पिछाणो।

अणजाण नर आंधो बरबर है।

अनजी नाचे, अनजी कूदे, अनजी के गुटलका।
आज अन जी घर में होती, भूल्या सभी मटलका।

आज हमां तो काल तुमां।
Today me, tomorrow thee.

आप आप रे घर में सारा ठाकर है। Every man's house is his own castle.

आप भला तो जग भला। Good mind, good find.

आप मरियां बिना सुरग कठे?
No cross, no crown.

आप मरियां सूँ जुग परले। Death's day is

doom's day.

आप भला तो जग भला। Good mind, good find

आप आप री खाज. मौंपै हाथ भागे।
Every one must bear his own cross.

आँधै आगे रोवणो नै दोनों आँख्यां खोवणो।
A pebble and diamond both are alike to a blind man

आँधै रो तम्बूरो रामदेव जी बजावे।
God protects the ignorants.

आँधाँ में कॉणु ही राजा। A figure among cyphers

आप री गली में तो कुत्तो भी सेर है।
Every cock fights best on his dung-hill.

आप रो बिगाड़ियो नै दूजा रो सुधारियो बरोबर है।
If you want to have a thing done well, do it yourself

आवड़दा लारै उपाव है। There is no medecine against death

आलस दालद री जड़ है। Idleness is the root of all evil

आप री कांई मनुवार करूं। What treatment am I to offer you.

कूरड़ी ऊपर किसो आम्बो ऊगे। A shabby colt makes a fine horse.

खोई आबरू पाछी नी आवै। An ill wound may be cured but not an ill name.

उतावली दो बर फिरै (तावलो सो बावलो) Haste is waste.

उधार घर री हार। He that goes a borrowing, goes a sorrowing.

उगतो ही नहीं तपै जिको आथणतो काई तपै? The thorns of Saulphene will never prick unless they prick the first day.

ऊँची दुकान बोली, फीका पकवान। Much bruit, little fruit. Great boast, little roast.

ऊबै लकड़ाँ बेज काढै।

उलटा बाँस बरेली नै। Carry coals to newcastle.

उतरयो घाटी नै हुयो माटी।

ऊजला ऊजला सारा हँस नहीं। All that glitters, is not gold

इण कान सुणी नै उण कान काढी। Came in by one year, and went out by the other.

सोड़ गैल पग पसारो। Cut your coat-

according to your cloth.

खावै सूर कुटीजै पाडा। One doeth the scan and another hath the scorn.

खाड़ खिणै जिण नै कूओ तियार है। The wicked is ensnared in the work of his own hand.

ठालै नै उत्पात सूझै। By doing nothing we learn to do evi
खुदा जैड़ा ही पेरसता। Dirty troughs will serve dirty sows.
खड़ खड़ेतु पढ़ेतु। Knowledge can only be attained gradua
खुसामद ही आमद है। The coin most current is flatter
एक दिन पावणो दूजै दिन पर तीजै दिन रयो तो अक्लगई
One day a guest, the next a pest.

एक तरफ घोड़ो नै एक तरफ गधो।
He smiles and frowns in a breath.

एक पंथ दो काज। To kill two birds with one stone.

अकल बिद्या हूँ आगली। A handful of common sense is worth a bushel of learning.

एक चणां दो दाल। Chips of the same rock.

ठोकर खायाँ चेतो होय। A man learns by losing

ओछी ओछड़ी में पान नहीं पचै।
A little pot is soon hot.

छांनो पाप आधो माफ। A sin concealed is half forgiven

जैड़ा नै तैड़ो मिलै कुणज्यो राजा भोज। Birds of the same feather flock together.

जाया जाँरा पूत हर कात्या जाँ रा सूत। Put another man's child in your bosom and he will creep out of your elbow

राल्यां ही भलियार, राज-रचेड़ी राजिया। Far from Court, far from care.

{जार रहै पे जारणी, इंण ही गाँ में रैणो।
{ऊँर बिलाई ले गई हाँजी हाँजी कैणो।

समदर में बास हर मगर मच्छ हूँ बैर
करे बी कोनी खटा सकै। It is hard to live at Rome and strain with the Pope.

लाठी जैं की भैंस। Might is Right.

मोजिन में अगाड़ी र काम में पछाड़ी। The cat loves the fish but she is loth to wet her feet.

होर विचारे लज्जा न कोरे। Never be

ashamed to eat your meat and clear your accounts.

जो धन दीसै जावतो आधो दीजे बाँट।

सर्वनाशसमुत्पन्ने अर्द्धं त्यजति पण्डित:। Loose a leg rather than life.

अर्जन जिसा ही पर्जन। Such a father such a son.

जैडा देव तैडा पुजारी। Dirty trough will serve dirty sows.

जैसे कूँ तैसा। Call a spade a spade.

डूबतो सिंवालाँ नै हाथ घालै। A drowning man will catch at a straw.

तुरतदान महा पुन। He gives twice who gives in a trice.

आप में अक्कल घणी लागै। A man's own opinion is never in the wrong.

दुख बिना सुख कठै। No cross, no crown.

दूर रा ढोल सुहावणा। Distance lends a charm.

दोनूँ हाथाँ लाडू। To have two strings to one's bow.

दीवै तलै अंधेरो। Every light has its shadow.

धाम करयाँ धन ना घटै। A charitable man gives out at the door and God puts in at the windows.

धरो ठावो पावो ठावो। safe bind, safe find!

त्यारचोड़ी गाय री कांई परख। Look not a gift horse in the mouth.

नाई वाळो ठेलो। Give a fool a rope enough and he will hang himself.

नागो सब सूँ आगो। Beware of him who regards even not his repute.

आँख्यां देखी परस राम कदे न झूठी होय। Seeing is believing.

नदी कनारै रूँखड़ो जद कद होय विनास। A great man and a great river are often ill ~~news~~ neibours.

पाड बिना बाँत नहीं। No smoke without fire.

पेट सारा काम करवै। Belley teaches all arts.

पैलो सुख निरोगी काया। Health is the best of all.

मैं नहीं होती तो बिंदणी परणीजतो? थारी माँ नै। If one will not another will.

हाथ में माळा पेट कुदाळा। Beads along the neck and devil in the heart.

आप कमायां कामड़ा दई नै दीजै दोस। No one can blame others for one's mischief brought on by own.

मैं ही राणी तूँ ही राणी कूँण भरे पण्डे रो पाणी। I stout thou stout who will carry the dust out.

हींग जाय पिणं बॉस नी जाय। Every tub must smell of the wine.

हाँ में हाँ मिलावणी। To swim with the stream.

बल बिना बुध बापडी। Wisdom without power is of no avail.

बलती में पूलो नाखणो। To add fuel to the flames.

बैठे जोय न ठावे रोय। Sit in your place and none can make you rise.

भूख में भूँगड़ा बी सुवाद लागे। Hunger is the best sauce.

भूखो धायाँ पतीजै। A hungry man is only satisfied when he has got his food.

मार आगे भूत भागे। Dangers are overcome by dangers.

भोलै ढालै रो राम रुखालो। God protects the ignorant.

मन रा लाडू खावणा। To build castles in the air.

मोंपर मोरा रे घर में रोटा। Proud and poor.

(कम जोर गुस्सा ज्यादा। Proud and poor.

आपरी माँ नै डाकण कुँण कवै। Every chuckler praises his own leather.

रोयाँ बिना तो मा बी बोबो नी दे। A close mouth catches no flies.

कीड़ी ने पँसेरी हुँ मारे। Break a butterfly upon a wheel.

राई रा भाव राते ही बीता। The die is cast.

राई घटै न तिल बधै। like warp, like woof.

लड़ाई में सिर लाड बँटे। wars bring scars.

लंका नै मूड़ड़ी दिखावै। To show light - to the sun

गाँव लारै ढेडवाड़ा सारै है। There is black sheep in every flock.

हरी करै सो खरी।

हुनर करै तजा (, लिख्या मिलै न भाग बिन।

काम सरचो दुख बी छड्यो वैरी होग्या बैद। Danger past - God forgotten

दिन रा डम्बर रात रा तारा, अै देखो वाला रा वार।

धीरै धीरै जायसी सब देवाँ रा साथ।

नाटियो मूतों नैणसी, तामो देन तलाव।

परायो घर जठै थूकण रो बी डर।

पाप री जड़ जमी हुँ सवा हाथ ऊपर होय है।

बोलियो बैणां नै छुटियो तीर पाछो नी आवै।

बोली बोल अमोल, पिणं काडयाँ पैली तोल।

बोलै जिणं रा बूँवला बिकै, नी बोलै जिणं री जुवार बी नी बिकै।

आफरी, मा मूर्ख, आट, आँ तीनां री ताट कहुट।

मीयाँ जी घर नहीं तो बीबीजी ने डर नहीं।

मामाँ ज्याँ रा मारवा, मूँडै क्यूँ भाणेज।

रोग, अगन नै राड़, बधियाँ वौं बिगाड़।
लूँण बिना सब फूँण रसोई।
लाडू खाया रात रा, घेर गया पाणत रा।

BIRLA CENTRAL LIBRARY PILANI.